बालमन

Powered by Teachers of Bihar

वर्ष : 2023

अंक 1

प्रधान संपादक :- धीरज कुमार [U.M.S. सिलौटा भभुआ (कैमूर)]

Dheeraj Kumar- +91 9431680675

Teachers of Bihar - +91 7250818080

info@teachersofbihar.org | teachersofbihar@gmail.com

www.teachersofbihar.org

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)
शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,
(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उददेश्य से "बाल मन कैमूर" पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक सोच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए "बाल मन कैमूर" के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाए प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

प्रधान सहयोगी सदस्य

विज्ञान कॉर्नर

राजेश कुमार सिंह (महाबल भृगनाथ +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय भभुआ)

इंग्लिश नॉलेज

कुमार राकेश मणि (UMS कोटा नुआंव)

कहानी संग्रह

प्रमोद कुमार "निराला" (कन्या मध्य विद्यालय चांद)

कविता संग्रह

1.खुशबू कुमारी (UMS दुघरा भभुआ)
2.एम. एस. हुसैन "कैमुरी" (UHS छोटका कटरा मोहनिया)
3.अशोक कुमार (NPS भटवलिया नुआंव)
4.शशिकांत वर्मा (प्राथमिक विद्यालय रामपुर भभुआ)

विशेष आभार

टीचर्स ऑफ बिहार परिवार के सभी टीम लीडर विश्व के धरोहर,सुविचार,दिवस विशेष,खेल कॉर्नर,जयंती विशेष ,दिवस प्रेरणा टीम का विशेष आभार प्रकट करते है।

टीचर्स ऑफ बिहार गीत

एम आर चिश्ती

चांद तारों को साथ लाएंगे,
हम बहारों को साथ लाएंगे।

जैसे आती नहीं नज़र दुनिया,
हम बनाएंगे वो हंसी दुनिया,
हौसला और अपनी मंज़िल से,
सब नज़ारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

प्रेम की रोशनी जो बिखरेगी
और प्रतिभा सबकी निखरेगी,
खींच लेंगे गगन से इन्द्रधनुष
बहते धारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

हम हैं निर्माता अपने भारत के,
पूरे करने हैं सपने भारत के
हम कलम के वही सिपाही है
जो हज़ारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

हमने माना, टीचर्स ऑफ़ बिहार
दीप ऐसा जलाएगा इस बार,
हम नवाचारी शिक्षा की रह में
बेसहारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

विश्व के धरोहर एवं रोचक तथ्य

विश्व के धरोहर

धमेख स्तूप, सारनाथ,

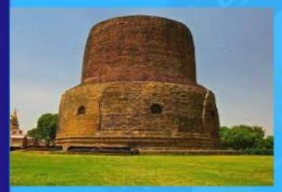

सारनाथ में धमेख स्तूप गुप्त युग की एक भव्य बेलनाकार संरचना (एचटी। 43.5 मीटर, व्यास 28.3 मीटर) है, जो आंशिक रूप से पत्थर और आंशिक रूप से ईंट से निर्मित है। इसके पत्थर के तहखाने में प्रतिमा के लिए बड़े नुकीले के साथ आठ प्रक्षेपित चेहरे हैं और इसे नाजुक रूप से नक्काशीदार पुष्प और ज्यामितीय पैटर्न से सजाया गया है। गुरु के ज्ञान का पवित्र स्थान बनाते हुए, इस साइट को सबसे बड़ी पवित्रता के साथ देखा जाता है और कई मंदिरों, स्तूपों और मठों के साथ एक समृद्ध बौद्ध प्रतिष्ठान बन गया। परंपरा के अनुसार ज्ञानोदय से पहले और बाद की घटनाओं को मनाने के लिए इस स्थल पर बड़ी संख्या में मंदिर और स्मारक बनाए गए थे।
मुख्य ईंट निर्मित मंदिर जिसे महाबोधि मंदिर के रूप में जाना जाता है, जो मूल रूप से लगभग दूसरी शताब्दी ईस्वी में बनाया गया प्रतीत होता है, भारी नवीनीकरण के साथ घिरा हुआ है, चार कोने-टॉवर लगभग 14 वीं शताब्दी ईस्वी सन् का एक मनमाना जोड़ है। इसका केंद्रीय टावर, एक ऊंचे पर खड़ा है प्लिंथ, लगभग 55 मीटर है। ऊँचा और सात मंजिलों का एक सीधा-सीधा पिरामिड है, जिसमें पायलट और चैत्य निचे हैं।

रोचक तथ्य

प्राचीन रोम में मनुष्य की अधिकतम आयु केवल 20 से 30 साल थी.

सच्चे त्याग और आत्मशुद्धि के बिना स्वराज नहीं आएगा।

- सरदार वल्लभ भाई पटेल

Vishwa Vijay Singh

प्रेरक प्रसंग

!! मुट्ठी भर मेंढ़क !!

बहुत समय पहले की बात है।किसी गाँव में मोहन नाम का एक किसान रहता था।वह बड़ा मेहनती और ईमानदार था।अपने अच्छे व्यवहार के कारण दूर-दूर तक लोग उसे जानते थे और उसकी तारीफ करते थे।पर एक दिन जब देर शाम वह खेतों से काम कर लौट रहा था तभी रास्ते में उसने कुछ लोगों को बाते करते सुना, वे उसी के बारे में बात कर रहे थे।

मोहन अपनी तारीफ सुनने के लिए उन्हें बिना बताये धीरे-धीरे उनके पीछे चलने लगा, पर उसने उनकी बात सुनी तो पाया कि वे उसकी बुराई कर रहे थे।कोई कह रहा था कि, "मोहन घमण्डी है।" तो कोई कह रहा था कि, "सब जानते हैं वो अच्छा होने का दिखावा करता है..."

मोहन ने इससे पहले सिर्फ अपनी तारीफ सुनी थी पर इस घटना का उसके दिमाग पर बहुत बुरा असर पड़ा और अब वह जब भी कुछ लोगों को बाते करते देखता तो उसे लगता वे उसकी बुराई कर रहे हैं।यहाँ तक कि अगर कोई उसकी तारीफ़ करता तो भी उसे लगता कि उसका मजाक उड़ाया जा रहा है।धीरे-धीरे सभी ये महसूस करने लगे कि मोहन बदल गया है और उसकी पत्नी भी अपने पति के व्यवहार में आये बदलाव से दु:खी रहने लगी और एक दिन उसने पूछा, "आज-कल आप इतने परेशान क्यों रहते है?कृपया मुझे इसका कारण बताइये।

मोहन ने उदास होते हुए उस दिन की बात बता दी. पत्नी को भी समझ नहीं आया कि क्या किया जाए पर तभी उसे ध्यान आया कि पास के ही एक गाँव में एक सिद्ध महात्मा आये हुए हैं और वो बोली, "स्वामी, मुझे पता चला है कि पड़ोस के गाँव में एक पहुंचे हुए संत आये हैं।चलिये हम उनसे कोई समाधान पूछते हैं." अगले दिन वे महात्मा जी के शिविर में पहुंचे।

मोहन ने सारी घटना बतायी और बोला, महाराज उस दिन के बाद से सभी मेरी बुराई और झूठी तारीफ करते हैं, कृपया मुझे बताइये कि मैं वापस अपनी साख कैसे बना सकता हूँ!" महात्मा मोहन की समस्या समझ चुके थे।

"पुत्र तुम अपनी पत्नी को घर छोड़ आओ और आज रात मेरे शिविर में ठहरो.", महात्मा कुछ सोचते हुए बोले।

मोहन ने ऐसा ही किया, पर जब रात में सोने का समय हुआ तो अचानक ही मेढ़कों के टर्र-टर्र की आवाज आने लगी।मोहन बोला, "ये क्या महाराज यहाँ इतना कोलाहल क्यों है ?"
"पुत्र, पीछे एक तालाब है।रात के वक़्त उसमें मौजूद मेंढ़क अपना राग अलापने लगते हैं!"
"पर ऐसे में तो कोई यहाँ सो नहीं सकता?," मोहान ने चिंता जताई।
"हाँ बेटा, पर तुम ही बताओ हम क्या कर सकते हैं, हो सके तो तुम हमारी मदद करो", महात्मा जी बोले।
मोहन बोला, "ठीक है महाराज, इतना शोर सुन के लगता है इन मेंढ़कों की संख्या हज़ारों में होगी।मैं कल ही गांव से पचास-साठ मजदूरों को लेकर आता हूँ और इन्हें पकड़ कर दूर नदी में छोड़ आता हू।." और अगले दिन मोहन सुबह-सुबह मजदूरों के साथ वहाँ पंहुचा, महात्मा जी भी वहीं खड़े सब कुछ देख रहे थे।

तालाब ज्यादा बड़ा नहीं था। 8-10 मजदूरों ने चारों ओर से जाल डाला और मेंढ़कों को पकड़ने लगे... थोड़ी देर की ही मेहनत में सारे मेंढ़क पकड़ लिए गए।

जब मोहन ने देखा कि कुल मिला कर 50-60 ही मेंढ़क पकड़े गए हैं तब उसने माहत्मा जी से पूछा, "महाराज, कल रात तो इसमें हज़ारों मेंढ़क थे, भला आज वे सब कहाँ चले गए, यहाँ तो बस मुट्ठी भर मेंढ़क ही बचे हैं।"

महात्मा जी गम्भीर होते हुए बोले, "कोई मेंढ़क कहीं नहीं गया, तुमने कल इन्हीं मेंढ़कों की आवाज सुनी थी।ये मुट्ठी भर मेंढ़क ही इतना शोर कर रहे थे कि तुम्हें लगा हज़ारों मेंढ़क टर्र-टर्र कर रहे हों।
पुत्र, इसी प्रकार जब तुमने कुछ लोगों को अपनी बुराई करते सुना तो भी तुम यही गलती कर बैठे, तुम्हें लगा कि हर कोई तुम्हारी बुराई करता है. पर सच्चाई ये है कि बुराई करने वाले लोग मुट्ठी भर मेंढ़क के सामान ही थे।इसलिए अगली बार किसी को अपनी बुराई करते सुनना तो इतना याद रखना कि हो सकता है ये कुछ ही लोग हों जो ऐसा कर रहे हों और इस बात को भी समझना कि भले तुम कितने ही अच्छे क्यों न हो ऐसे कुछ लोग होंगे ही होंगे जो तुम्हारी बुराई करेंगे।"

अब मोहन को अपनी गलती का अहसास हो चुका था, वह पुनः पुराना वाला मोहन बन चुका था.

शिक्षा:-
मित्रों, मोहन की तरह हमें भी कुछ लोगों के व्यवहार को हर किसी का व्यवहार नहीं समझ लेना चाहिए और सकारात्मक सोच से अपनी ज़िन्दगी जीनी चाहिए. हम कुछ भी कर लें पर जीवन में कभी ना कभी ऐसी समस्या आ ही जाती है जो रात के अँधेरे में ऐसी लगती है मानो हज़ारों मेंढ़क कान में टर्र-टर्र कर रहे हों. पर जब दिन के उजाले में हम उसका समाधान करने का प्रयास करते हैं तो वही समस्या छोटी लगने लगती है. इसलिए हमें ऐसी परिस्तिथि में घबराने के बजाये उसका उपाय खोजने का प्रयास करना चाहिए और कभी मुट्ठी भर मेंढ़कों से घबराना नहीं चाहिए.

नन्हे कलाकार भाग 1

U.H.S. छोटका कटरा
मोहनियां

उत्क्रमित उच्य माध्यमिक +2 बिद्यालय
बैजनाथ,रामगढ,कैमूर।

अभिषेक कुमार वर्ग 4
प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपु
मोहनियां

UMS खजरा मोहनियां

UMS खैरा भभुआ

बिश्वजीत कुमार वर्ग - 5 SC.U.M.S
SIKATHI BHABUA KAIMUR

नन्हे कलाकार भाग 2

क्रिसमस डे के अवसर पर क्लास 8 के छात्र रामराज कुमार द्वारा क्रिसमस ट्री बनाया गया जिसे मैडल एवम पुरस्कार द्वारा समानित किया गया।

UHS हरदासपुर कुदरा

MS Sikthi Uiari

UMS उजारी सिकठी भभुआ

उत्क्रमित मध्य विद्यालय बसहा चांद

🤔😳अजब - गजब😳🤔

1-सुबह सूर्य की रोशनी में रहने से तनाव और चिंता कम होती है।

2- जो लोग ज्यादा सोचते है, उन्हे समय पर नींद नहीं आती है।

3- हम जैसे कपड़े पहनते है उसका सीधा प्रभाव हमारे दिनभर के मूड पर होता है।

4- दुनिया में एक ऐसा भी आइलैंड है जहां केवल एक घर और एक पेड़ है,जिसका नाम " जस्ट इनफ रूम "हैं।

5- मोबाइल पर 15 अंको का नंबर IMEI (international mobile equipment identity) में शुरुआती 8 अंक ये बताते है की इस मॉडल को कहां बनाया गया है।

रोचक गणित

गणित में 9 को पहाड़ा लिखने का आसन तरीका है -

सबसे पहले दहाई स्थान पर क्रमश: 0,1,2,3,4,5,6,7,8 और 9 रखते है।

इसी प्रकार इकाई के स्थान पर क्रमश :
9,8,7,6,5,4,3,2,1 और 0 रखते है।

अब यदि दहाई और इकाई के अंक को क्रमश : मिलाते हुए लिखे तो....
09,18,27,36,45,54,63,72,81 और 90 प्राप्त होता है जो की 9 के पहाड़ा को दर्शाता है।

9×1= 09
9× 2=18
9× 3=27
9× 4=36
9× 5=45
9× 6=54
9× 7=63
9× 8=72
9× 9=81
9× 10=90

चेतना सत्र

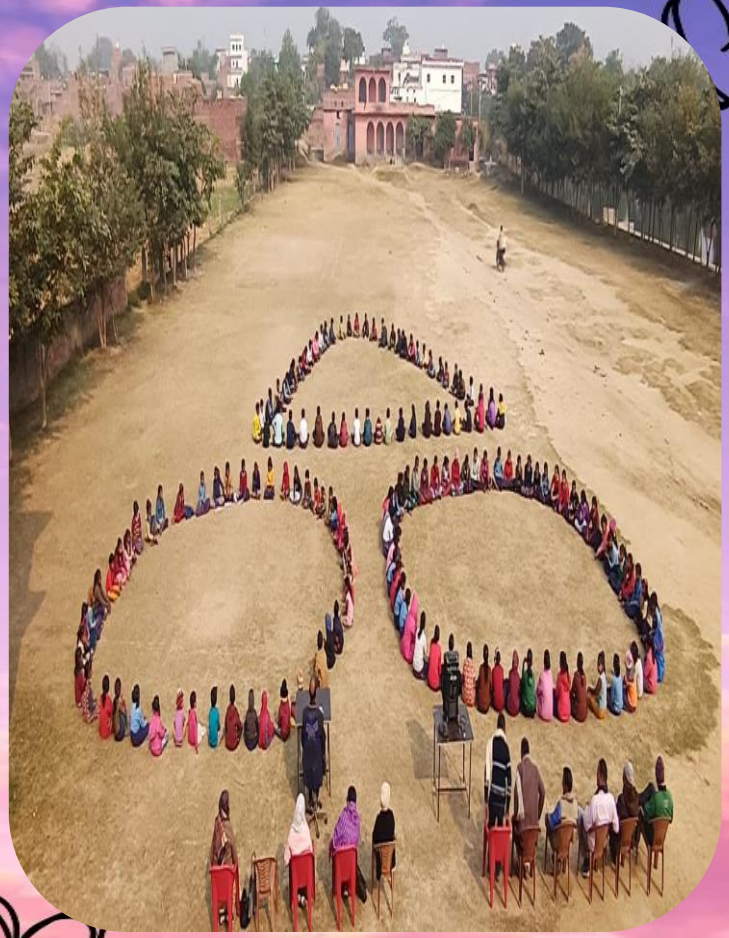

उत्क्रमित उच्य माध्यमिक +2 बिद्यालय बैजनाथ,रामगढ,कैमूर।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ

पहेलियां

1.एक गाड़ी के 12 पहिए,अंतिम वाला मैं हूं अगर।।
मेरे बाद सफर खत्म,मेरे बाद नई गाड़ी का शुरू हो सफर।।

2.ठंडी के दिनो मे हर सर पर चढ़ कर करते है राज।
सर और कानो को ठंड से बचा कर करवाऊं गर्मी का अहसास।।

3.इसको हाथ लगाओ तो इसके तार तुरंत कम्पन करती है।
अच्छे से हाथ हिलाओ तो इससे मधुर ध्वनि निकलती है।।

4. हम दो बहने साथ रह कर समय दिखलाती है।
बड़ी तो जल्दी- जल्दी चलती है ,बेचारी छोटी धीरे- धीरे आगे बढ़ पाती है।।

5.तीन रंगों की मैं रानी ,कभी लाल,पीला और हरा।
मुझे देख कर चलते सड़क पर,गाड़ियों को कर दू खड़ा।।

1. दिसंबर महीना 2. टोपी/मफलर 3.गिटार 4.घड़ी की सुई 5.ट्रैफिक सिग्नल

😂😂 थोड़ा मुस्कुरा भी दो!

1.दो लड़के आपस में बात करते हुए स्कूल जा रहे थे।
पहला लड़का :- यार आकाश तुम्हारी मम्मी तुम्हे अभी स्कूल जाते समय TATA SKY क्यों बोल रही थी ?
आकाश :- अरे यार मेरी मम्मी इस समय इंग्लिश सीख रही है वो मुझे बाय कर TATA बोल रही थी और साथ में मेरा नाम ले रही थी क्योंकि SKY मतलब आकाश होता है न। इसलिए TATA SKY बोल रही थी।
🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣

2. ठंडी के दिन में गलती से पंखे का बटन क्या दब गया।
पूरा परिवार यूँ देखने लग गया जैसे मैं कोई आतंकवादी हूँ ।
मैं तो डर गया और तुरंत पंखे के स्विच को ऑफ कर वहां से गायब हुआ।
🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣

पेटिंग ऑफ द मंथ

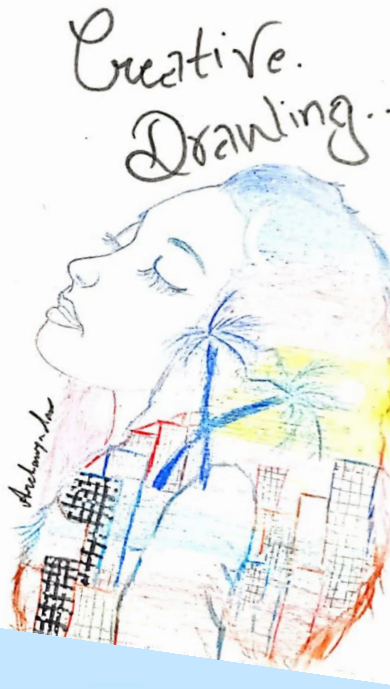

अर्चना यादव वर्ग 8

U.H.S. हरदासपुर कुदरा

आपके पेंटिग भाग

न्यू
प्राथमिक
विद्यालय
कमती
भभुआ

आपके पेंटिग भाग 2

UMS कोटा नुआंव वर्ग 3 के बच्चे

उर्दू प्राथमिक विद्यालय अखलासपुर भभूआ

उर्दू प्राथमिक विद्यालय भभुआ 1

कक्षा सातवीं की छात्रा अदिति द्वारा बनाया गया है

1:15 PM

मध्य विद्यालय अखलासपुर भभुआ

आपके पेंटिग भाग 3

आयुष कुमार वर्ग 4
प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर मोहनिया

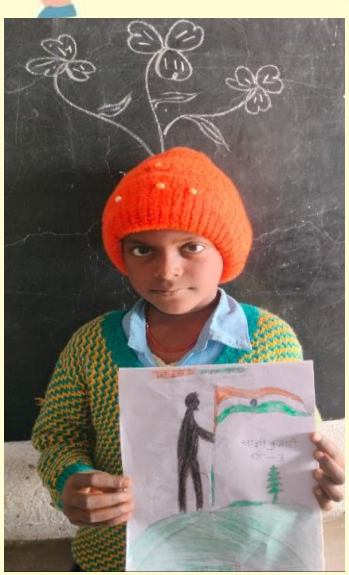

UMS कोटा नुआंव

सुदीप कुमार वर्ग 3
UMS गौरा भगवानपुर

आपके पेंटिंग भाग 4

हिमांशु कुमार वर्ग 6
UHS छोटका कटरा मोहनिया

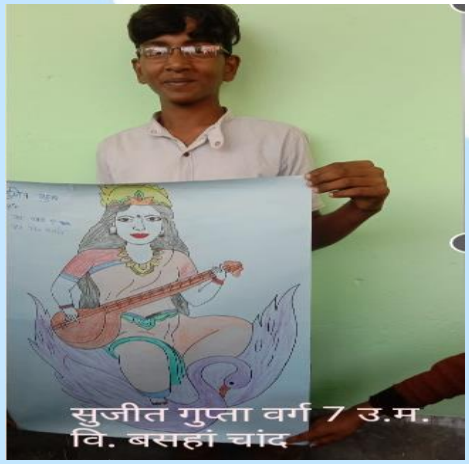

प्रतिभा कुमारी वर्ग
6
UMS बहेरी भभुआ

U m s parasiya bhabua

Sweta ranjan
Class-2
Nps Bhatealiya Nuaon

पेन और पेंसिल आर्ट

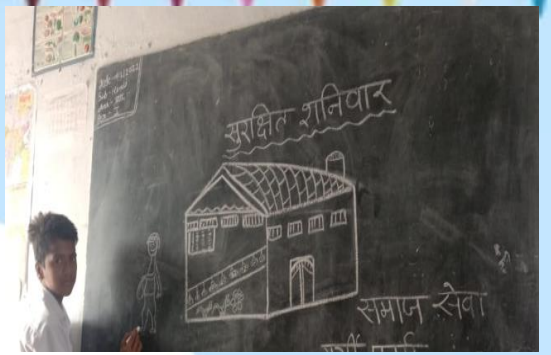

UMS कोटा नुआंव

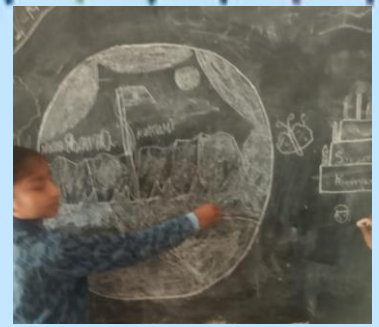

मध्य विद्यालय अखलासपुर भभुआ

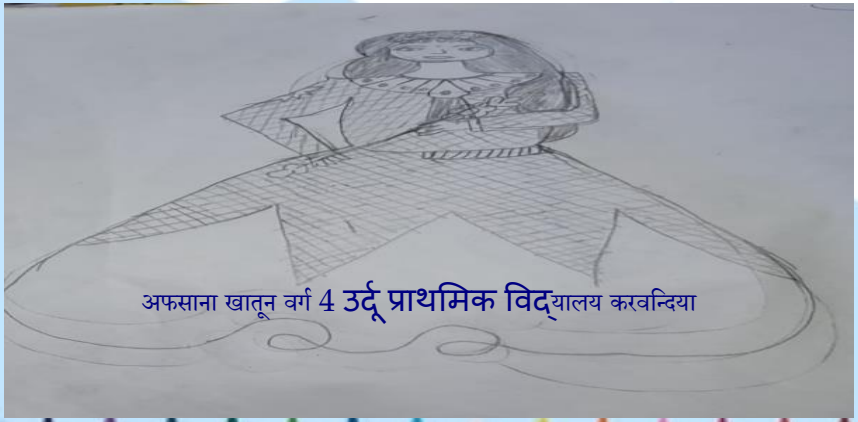

Abhishek Kumar class 8 UMS dughra

12:29 PM

बैगलेस शनिवार

UMS खजरा मोहनियां

UMS कोटा नुआंव

उत्क्रमित **मध्य विदयालय** बसहा चांद

रंगोली विशेष

प्राथमिक विद्यालय कठौरा भभुआ

मध्य विद्यालय बरहुली भभुआ वर्ग 7 द्वारा।

Welcome 2023

UMS सिलौटा भभुआ

UMS दुघरा भभुआ

न्यू प्राथमिक विद्यालय ढढणिया भभुआ

NPS कमती भभुआ

उर्दू प्राथमिक विद्यालय अखलासपुर भभुआ

कविता

कविता -गुरु पूर्णिमा
गुरु के बिना ज्ञान नहीं,
ज्ञान के बिना कोई महान नहीं।
भटक जाता है जब इंसान,
तब गुरु ही देते हैं ज्ञान।
ईश्वर के बाद अगर कोई है ,तो वो गुरु है।
दुनिया से वाकिफ जो कराता है, वह गुरु है।
हमें जो अच्छा इंसान बनाता है, वो गुरु है।
हमारी कमियों को जो बताता है, वो गुरु है।
हमें इंसानियत सिखाता है, वो गुरु है।
हमारे अंदर एक विश्वास जगाता है ,वोगुरु है।

टिमशी कुमारी
वर्ग 6
मध्य विद्यालय चांद कैमूर

मैं घर क्यों आई?

कितना प्यारा मेरा स्कूल, होती खूब पढ़ाई।
दोस्तों के साथ, होती रोज खूब लड़ाई।
कूदा-कूदी, भागा-दौड़ी, कई बार रेल चलाई।
क्यों छुट्टी हो गई, मैं तो गुरुजी पर चिल्लाई।
कितना प्यारा मेरा स्कूल, मैं घर क्यों आई,
पढ़ाई -लिखाई में काटी चुटकी, हुई लड़ाई,
बोला, चाली बन्द, शाम को फिर गले लगाई।
घर से भी अच्छा स्कूल के शिक्षक, बहन-भाई।
कितना प्यारा मेरा स्कूल, मैं घर क्यों आई।
कहीं कोई छुट्टी पड़ती, दिल बहुत घबराता
जाने कैसे दोस्त होंगे, कोई नजर नहीं आता।
सोचती हूं शिक्षक, बिन कैसी होगी मेरी पढ़ाई।
कितना प्यारा मेरा स्कूल मैं घर क्यों आई।
शनिवार दिन आता सबके मन में खुशियां लाता,
खेल-कूद, योगा, नाच, गाना और कोई गुनगुनाता,
दोस्तो संग खेलते, नाचते, गाते कितनी सुंदर पढ़ाई,
कितना प्यारा मेरा स्कूल, मैं घर क्यों आई।

शशिकांत वर्मा
प्राथमिक विद्यालय रामपुर, भभुआ-कैमूर

नववर्ष विशेष कविता

🌹 *नव वर्ष तेरा है अभिनंदन* 🌹

नव वर्ष तेरा है अभिनंदन
करती हूं तुझको मैं वंदन

फूल खिले गुलशन गुलशन
पावन हो जाए सबका मन
कोमल किसलय हो हर तरु में
दीप जले हों घर-घर में

शिक्षा का सबको प्रकाश मिले
सांसों की सबकोआस मिले
ज्ञान विज्ञान का नारा हो
चहुंओर विकास हमारा हो।

प्रगति का अवसर पाएं सभी
थक कर ना बैठे कोई कभी
आशा हो गगन को छूने की
विश्वास हो मन में पाने की।

पाना कुछ अगर है देना सीखो
सर्वस्व समर्पण करना सीखो
त्याग यदि कर पाओगे
तो जो चाहो पा जाओगे।

तेरा नाम अमर हो जाएगा
देश गौरव गान तेरा गाएगा
तुझको कोई भूल न पायेगा
शत्रु जयकार लगाएगा ।

नव वर्ष तेरा है अभिनंदन
करती हूं तुझको मैं वंदन।

खुशबू कुमारी
उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुघरा
भभुआ कैमूर बिहार

देखो नूतन वर्ष आया है

देखो नूतन वर्ष आया है
साथ में खुशियां लाया है
इन फसलों को भी देखो
इन पर नया रंग चढ़ाया है

इस पावन भूमि पर इसने
खूब अपना रंग जमाया है
लोग हो रहे हैं प्रफुल्लित
जैसे खास त्यौहार आया है

एक दूसरे को देते हैं बधाई
मुबारक हो नया साल आया है
विगत वर्ष की , कुछ बातों पर
कहां किसी को मलाल आया है

वर्ष 2022 तो बीता जैसे - तैसे
इसका नहीं कोई सवाल आया है
आने वाला वर्ष बने कुछ खास
यह सबके मन में ख्याल आया है

एम० एस० हुसैन "कैमूरी"
उत्क्रमित उच्च माध्यमिक
विद्यालय छोटका कटरा
मोहनियां कैमूर बिहार

"नूतन वर्ष"
नूतन वर्ष सरल हो,
शांति समृद्धि का कल हो।
खुशियां आए सबके द्वार,
जीवन अपना अविरल हो।।

द्वेष ईर्ष्या सब भूलें,
एक दूजे के गले मिले।
जीवन अपना संघर्षरत हो,
नूतन वर्ष सरल हो।।

हम ऊंचाइयों को छू ले,
सब का मस्तक ऊपर हो।
जीवन हंसकर गुजारे,
नूतन बर्ष सरल हो।।

अग्रिम पथ पर बढ़ने की,
साहस और संकल्प हो।
मूल्यों और नैतिकता हो,
नूतन वर्ष सरल हो। ।

अशोक कुमार
न्यू प्राथमिक
विद्यालय भटवलिया

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष 5जनवरी

मधु प्रिया

पहली बार काग़ज़ी मुद्रा स्वीडन के बैंक ने जारी की,5 जनवरी

5 जनवरी 1691 में आज ही के दिन यूरोप में पहली बार करेंसी नोट छपा था। स्वीडन के बैंक ने यह कागजी मुद्रा जारी की थी। इसके बाद से ही दुनिया में कागज के नोट प्रचलन में आए। हालांकि, स्वीडन से पहले चीन के राजाओं ने छठी, नौवीं और 11वीं शताब्दी में कागज के बिल जारी किए थे। पर वे आम लोगों के बीच चलन में नहीं पाए थे। भारत में करंसी का इतिहास 2500 साल पुराना है। लेकिन कागज का पहला नोट 1862 में अंग्रेजों ने जारी किया था। इस पर ब्रिटिश महारानी विक्टोरिया के चित्र थे। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी पहली करेंसी 1938 में छापी थी। पांच रुपए के इस नोट पर किंग जॉर्ज की तस्वीर थी। 332 वर्ष पहले यूरोप में पहली बार छपा था कागज का नोट, स्वीडिश बैंक ने छापा था नोट 1691- मेंआज ही के दिन यूरोप में पहली बार करेंसी नोट छपा था। स्वीडन के बैंक ने यह कागजी मुद्रा जारी की थी। इसके बाद से ही दुनिया में कागज के नोट प्रचलन में आए।

/teachersofbihar

खेल कॉर्नर

बैडमिंटन में प्रथम

उपलब्धि	खिलाड़ी
ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप जीतने वाले पहले भारतीय	प्रकाश पादुकोण
विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप जीतने वाली और एक सुपर सीरीज टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय (इंडोनेशिया ओपन 2009 जीत कर)	साइना नेहवाल
बी डब्लू एफ (BWF) विश्व रैंकिंग में विश्व नंबर 1 स्थान पाने वाली पहली भारतीय महिला	साइना नेहवाल
बी डब्लू एफ (BWF) विश्व रैंकिंग में विश्व नंबर 1 स्थान पाने वाले पहले भारतीय	प्रकाश पादुकोण
ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप जीतने वाले पहले भारतीय	प्रकाश पादुकोण
ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी	साइना नेहवाल
विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप जीतने वाले और सुपर सीरीज टूर्नामेंट जीतने वाले पहले भारतीय (इंडोनेशिया ओपन जीतकर)।	साइना नेहवाल
बी डब्लू एफ (BWF) वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय	पी. वी. सिंधू

कहानी

शिक्षा का महत्व

एक गांव में 2 दोस्त रहते थे। सूरज और दिनेश दोनों एक ही क्लास में पढ़ते थे। सूरज अधिक समय पढ़ाई में बिताता जबकि दिनेश का अधिक समय मोबाइल या खेलकूद में बितता था। दिनेश का कहना था कि जिंदगी खेलकूद के लिए मिली है ।दिनेश अमीर घर से जबकि सूरज गरीब घर से था। एक दिन दोनों दोस्त साथ-साथ स्कूल गए शिक्षक ने उन्हें एक सवाल दिया सूरज सवाल बनाने लगा लेकिन दिनेश को कुछ समझ नहीं आ रहा था वह सूरज की नकल करके सूरज से भी पहले शिक्षक को वह सवाल दिखाते हुए बोला देखिए सर मैं कितना चालाक हूं पर शिक्षक को आश्चर्य हुआ कि जो गिनती पहाड़ा नहीं जानता वह कैसे सवाल बना सकता है उन्होंने दिनेश को श्यामपट्ट पर बुलाया और वह सवाल बनाने को कहा। दिनेश की तो हालत पंचर हो गई वह डरते हुए शिक्षक को बोला सर मैंने सूरज का नकल करके आपको सवाल दिखाया था। शिक्षक उससे मारने के बजाय उसको समझाते हैं कि बेटा दिनेश हमें कभी भी दूसरों का नकल नहीं करना चाहिए अगर तुम्हें नकल करना है तो उसके दूसरे अच्छे गुणों की नकल करनी चाहिए जो तुम्हारे दोस्त में कूट-कूट कर भरा है। शिक्षक के इतना समझाने के बाद भी वह नहीं समझा। खेलने चल दिया दिनेश खेलने के लिए जा रहा था तभी देखा कि सूरज नहीं आ रहा है। वह सूरज के पास गया और देखा कि सूरज पढ़ रहा है दिनेश सूरज से हंसते हुए कहा तुम ऐसे ही पढ़ते-पढ़ते पागल ना हो गया तो हमसे कहना। वह तो चला खेलने। दिन बीते गए सूरज को अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए शहर जाना था पर उसके जेब में पैसे नहीं थे। वहां अपने मित्र दिनेश से पैसे मांगता है पर उसका दोस्त दिनेश मना कर देता है वहां सूरज मेहनत मजदूरी करके पैसे कमाता है और पढ़ाई करने के लिए वह शहर जाता है। इधर दिनेश खूब पैसे उड़ाता है वह पढ़ा लिखा नहीं था इसलिए दूसरे लोग उसे बेवकूफ बनाकर उससे पैसा हथिया लेते थे। उसके दिन इतने खराब हो गए कि उसे भीख मांगने पड़ गए। इधर सूरज पढ़कर बड़ा आदमी बन चुका था वह सोचा कि चलो अब अपने गांव चलते हैं। वहां एक कार में चल दिया वह जैसे ही अपने गांव में प्रवेश किया तो देखा एक व्यक्ति फटे हुए कपड़ों में भीख मांग रहा है। सूरज को उस पर दया आ गई और वह उसके पास गया और देखा कि दिनेश भीख मांग रहा है। दिनेश सूरज को देखते ही रोने लगा और कहने लगा ।काश मैं भी खेलकूद के समय पढ़ लेता, अगर मैं उस समय पढ़ने पर ध्यान लगाता तो आज वह मेरी दशा नहीं रहती मुझे अब जाकर समझ आया।

हरिओम कुमार
वर्ग 7
उत्क्रमित मध्य विद्यालय बहेरिया
चांद कैमूर

माथा पच्ची

1 मिनट में 5 नदी का नाम खोजें और बन जाइए जीनियस।

G	Y	A	M	U	N	A	H	L	C
A	U	M	B	A	I	O	A	T	G
N	K	T	N	S	O	N	R	A	O
G	O	D	A	W	A	R	I	I	M
A	S	W	D	E	L	A	I	N	T
I	I	B	H	I	T	T	K	N	I
N	E	W	K	A	W	E	R	I	J

चहक

U.M.S. खजरा मोहनियां

प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर

उर्दू प्राथमिक विद्यालय अखलासपुर

जयंती विशेष 03 जनवरी

राकेश कुमार

सावित्रीबाई फुले
[भारत की पहली महिला शिक्षिका और समाज सुधारक]

सावित्रीबाई फुले *Savitribai Phule*, जन्म- 3 जनवरी, 1831; मृत्यु- 10 मार्च, 1897) भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्रधानाचार्या और पहले किसान स्कूल की संस्थापिका थीं। महात्मा ज्योतिबा को महाराष्ट्र और भारत में सामाजिक सुधार आंदोलन में एक सबसे महत्त्वपूर्ण व्यक्ति के रूप में माना जाता है। उनको महिलाओं और दलित जातियों को शिक्षित करने के प्रयासों के लिए जाना जाता है। ज्योतिराव, जो बाद में ज्योतिबा के नाम से जाने गए, सावित्रीबाई के संरक्षक, गुरु और समर्थक थे। सावित्रीबाई ने अपने जीवन को एक मिशन की तरह से जीया। जिसका उद्देश्य था विधवा विवाह करवाना, छुआछात मिटाना, महिलाओं की मुक्ति और दलित महिलाओं को शिक्षित बनाना। वे एक कवयित्री भी थीं। उन्हें 'मराठी की आदिकवयित्री' के रूप में भी जाना जाता था।

दिवस प्रेरणा 4 जनवरी

लुई ब्रेल
(ब्रेल लिपि के अविष्कारक)

बचपन में ही आँख खो दिया ...

संघर्ष

तीन वर्ष की उम्र में एक दिन काठी के लिए लकड़ी काटते समय इस्तेमाल किया जाने वाला लोहे का एक सूजा लुई ब्रेल की आँखों में घुस गया। उनके आँख से खून बहने लगा। परिवार ने उनकी चोट को साधारण समझ कर उसकी पट्टी कर दी। कुछ दिनों बाद लुई ब्रेल की अपनी दूसरी आँख से भी कम दिखाई देने की शिकायत की परन्तु उसके पिता ने आर्थिक अभाव और लापरवाही के कारण अनदेखा कर दिया। इस वजह से मात्र आठ वर्ष की उम्र मे लुई ब्रेल पूरी तरह से दृष्टिविहीन हो गए।

सफलता

लुई ब्रेल की दुनिया में पूरी तरह से अँधेरा छा जाना, उनके लिए एक बड़ा आघात था। लेकिन आठ साल के बालक लुई ने इससे हारने के बजाय इसे चुनौती के रूप मे लिया। 1829 में लुई ब्रेल छह बिन्दुओं पर आधारित ब्रेल लिपि बनाने में सफल हुए। लेकिन तत्कालिन शिक्षाशास्त्रीयों ने इसे मान्यता नहीं दिया। लुई ब्रेल ने हार नहीं मानी और पादरी बैलेन्टाइन की मदद से अपनी अविष्कार की गयी लिपि को दृष्टिहीन व्यक्तियों के मध्य लगातार प्रचारित करते रहे। उनकी बनायी हुई लिपि अब सारे दृष्टिहीनों को पढ़ने में मदद करती है।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल. ई मेल- ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुति: टीचर्स ऑफ बिहार. contact us : www.teachersofbihar.org \ info@teachersofbihar.org

विज्ञान कॉर्नर

कक्षा 9 ऑक्सीजन चक्र

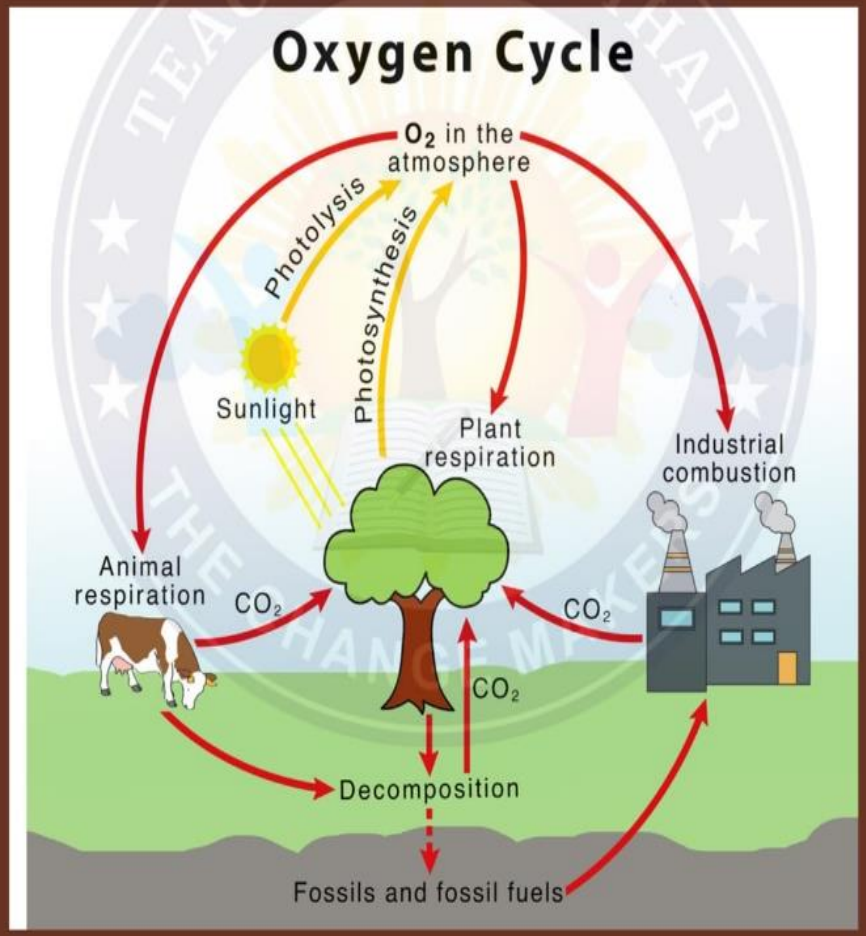

कक्षा 9 कार्बन चक्र

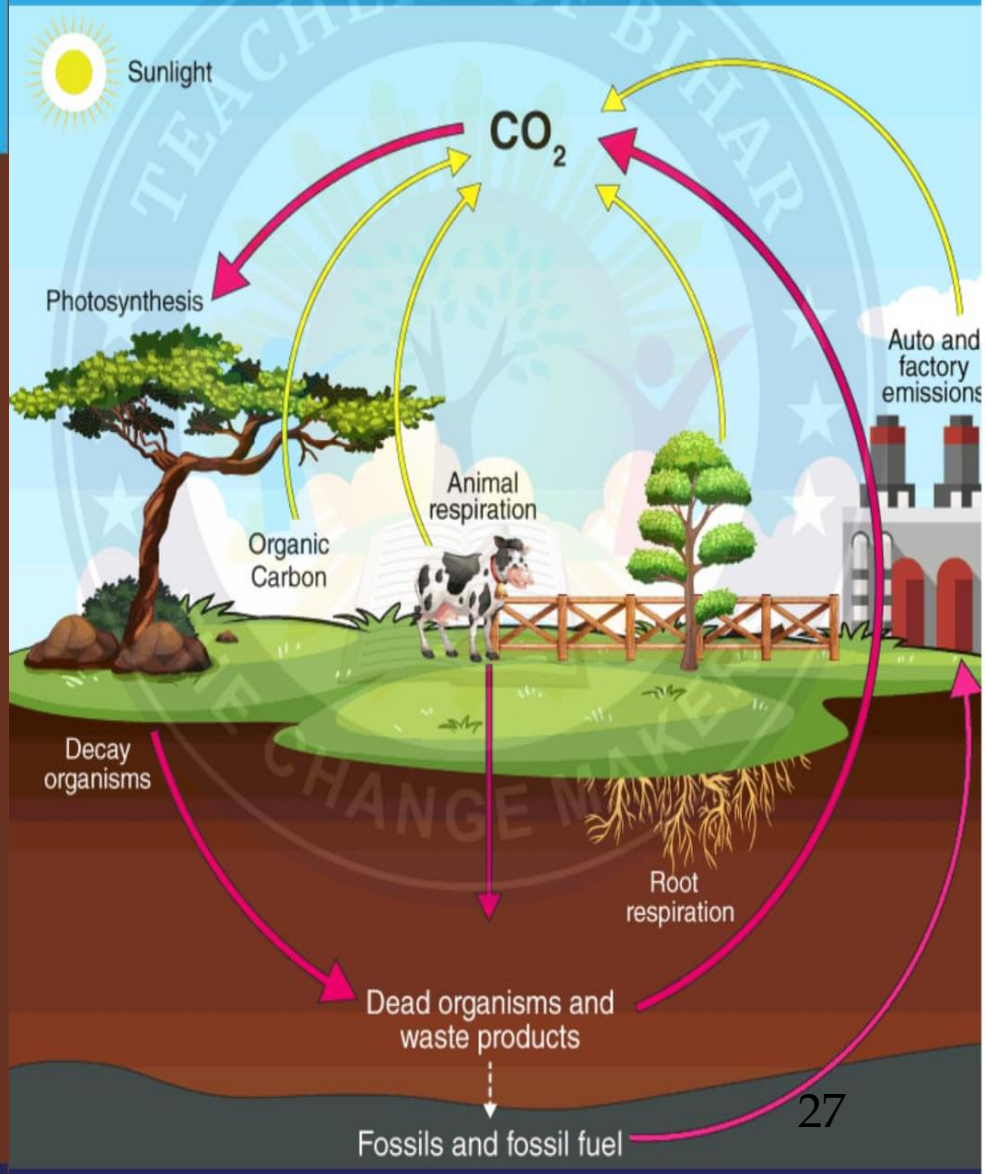

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 1)

UMS चंदा चांद में ड्रेस कोड में शिक्षक और शिक्षिका

UMS कोंटा नुआंव में स्मार्ट क्लास में बच्चियां

अंतिम घटी में खो - खो खेलते UMS बगहा के बच्च

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 2)

U.M.S.
SOLAUTA
BHABUA

Star ✨ kids of the week
upgraded middle school dughra

Synonyms

See-- देखना (अपने आप)

Look-- देखना (जान बूझकर)

Watch --देखना(सावधानीपूर्वक)

Ogle-- देखना (बुरी नजर से)

Peep-- देखना (लुक छिपकर)

Observe --देखना(बारीकी से)

View-- देखना (अवलोकन करना)

Beheld-- देखना (अवलोकन करना)

Persual-- देखना (अवलोकन करना)

Pore -- देखना (ध्यान से)

1. Whatever - जो कुछ भी
2. Wherever - जहाँ कहीं भी
3. Whenever - जब कभी भी
4. Whoever - जो कोई भी
5. Whichever - जो कुछ भी
6. However - लेकिन फिर भी
7. Why so - ऐसा क्यों.?
8. What then - फिर क्या.?
9. With whom - किसके साथ

प्रेषक
कुमार राकेश मणि
UMS कोटा नुआंव

STUDENT OF THE MONTH

THIS AWARD GOES TO

Shweta ranjan

STUDENT OF THE MONTH

january 2023

बाल मन कैमूर पत्रिका

के तरफ से बहुत बहुत बधाई ।

संक्षिप्त परिचय

नाम -:श्वेता रंजन

वर्ग-:4

विद्यालय- : न्यू प्राथमिक विद्यालय भटवलिया नुआव कैमूर

पिता का नाम- :अशोक कुमार

माता का नाम-: मीरा कुमारी

हॉबी : चित्रांकन के साथ-साथ अच्छी अच्छी कहानियां की पुस्तकें पढ़ना।

उपलब्धि : निरंतर सुंदर चित्रांकन करने के साथ +साथ विद्यालय के कार्य में अपनी सकारात्मक भागीदारी।

भविष्य की सोच : एक अच्छा नागरिक बनकर कर समाज का सेवा करना ।

India

जय हिन्द

Republic day

January 26 2023

बालमन कैमूर की तरफ से ढेर सारी शुभकामनाएं

TEACHER OF THE MONTH

नाम ~खुशबू कुमारी

जन्मतिथि 25/01/1982

जन्म स्थान ओदार कैमूर बिहार

शिक्षा मिशन गर्ल्स हाई स्कूल गया स्नातक– (हिंदी)मगध विश्वविद्यालय बोधगया

स्नातकोत्तर – हिन्दी (इग्नू)

डी ०पी०ई० एवं B.Ed इग्नू

विद्यालय – उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुघरा भभुआ जिला कैमूर

शौक– किताबें पढ़ना विशेषकर कविताएं

उपलब्धियां – कोरोना काल में ऑनलाइन क्लास । महिला दिवस पर जिला पदाधिकारी द्वारा विशेष सम्मान।स्वरचित कविता के माध्यम से सुंदर अभिव्यक्ति।विद्यालय में बच्चो के साथ सक्रिय भागीदारी।

अरमान– कुछ ऐसा करने का कि लोग मुझे भुला ना पाएं।

खुद को परखें (सामान्य ज्ञान)

भारत में प्रथम महिला

1. भारत की प्रथम महिला लोकसभा अध्यक्ष कौन है ?
2. भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री का क्या नाम है ?
3. भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपति का क्या नाम है ?
4. भारत की प्रथम आदिवासी महिला राष्ट्रपति कौन है ?
5. भारत के किसी राज्य की प्रथम महिला मुख्यमंत्री का क्या नाम है ?

भारत में प्रथम

6. भारत के प्रथम प्रधानमंत्री का क्या नाम है ?
7. भारत के प्रथम राष्ट्रपति का क्या नाम है ?
8. भारत के प्रथम मुस्लिम प्रधानमंत्री का क्या नाम है ?
9. भारत की प्रथम शिक्षामंत्री का क्या नाम है ?
10. भारत के प्रथम गृहमंत्री का क्या नाम है ?

राष्ट्रीय युवा दिवस

12 जनवरी

सफलता के 10 सूत्र

-स्वामी विवेकानन्द

1. लक्ष्य पर डटे रहो !
2. कर्म करो आलस्य त्यागो !
3. चुनौतियों का सामना करो!
4. ध्येय के प्रति पूर्ण एकाग्र रहो !
5. कमजोर नहीं, शक्तिशाली बनो!
6. आत्मविश्वास बनाये रखो !
7. गलतियों से सीखो !
8. दूसरों को दोष मत दो !
9. मन को उदार बनाओ !

बाल मन कैमूर पत्रिका

|| जय मां सरस्वती ||

|| VASANT PANCHAMI ||

सरस्वती पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं

बाल मन कैमूर पत्रिका

Thank You

अपने सुझाव और जवाब मोबाइल नंबर
9431680675 पर दे सकते है।